दक्षिण भारत में दक्कन का पठार अपने पूरे इतिहास में विभिन्न राजवंशों और साम्राज्यों का घर रहा है। इन राज्यों ने दक्कन क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और विरासत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1. सातवाहन राजवंश (लगभग पहली शताब्दी ईसा पूर्व - तीसरी शताब्दी ईस्वी):
    - सातवाहन दक्कन के शुरुआती शासकों में से थे।
    - उन्होंने बौद्ध धर्म के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वर्तमान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्सों सहित एक विशाल क्षेत्र को नियंत्रित किया।
2. वाकाटक राजवंश (लगभग तीसरी - पांचवीं शताब्दी ई.पू.):
    - वाकाटकों ने मध्य और उत्तरी दक्कन के कुछ हिस्सों में शासन किया।
    - वे कला और गुफा मंदिरों, विशेषकर अजंता गुफाओं के निर्माण में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।
3. चालुक्य राजवंश (लगभग 6वीं - 12वीं शताब्दी ई.पू.):
    - चालुक्य दक्कन में एक प्रमुख राजवंश थे, जिनकी शाखाएँ उत्तरी और दक्षिणी दक्कन दोनों में थीं।
    - पश्चिमी चालुक्य (बादामी के चालुक्य) और पूर्वी चालुक्य (वेंगी के चालुक्य) प्रसिद्ध हैं।
    - वे बादामी, पट्टाडकल और एहोल में उल्लेखनीय उदाहरणों के साथ, अपने मंदिर वास्तुकला के लिए जाने जाते थे।
4. राष्ट्रकूट राजवंश (लगभग 8वीं - 10वीं शताब्दी ई.पू.):
    - दक्कन में स्थित राष्ट्रकूट, दक्षिण भारत में एक प्रमुख शक्ति बन गए।
    - वे एलोरा में कैलाश मंदिर के निर्माण सहित कला, संस्कृति और साहित्य को संरक्षण देने के लिए जाने जाते हैं।
5. चोल राजवंश (लगभग 9वीं - 13वीं शताब्दी ई.पू.):
    - यद्यपि चोल मुख्य रूप से तमिलनाडु क्षेत्र में स्थित थे, फिर भी चोलों ने अपना प्रभाव उत्तरी दक्कन तक बढ़ाया।
    - चोल अपनी नौसैनिक शक्ति, मंदिर निर्माण और प्रशासनिक उपलब्धियों के लिए जाने जाते थे।
6. काकतीय राजवंश (लगभग 12वीं - 14वीं शताब्दी ई.पू.):
    - काकतीय ने दक्कन के तेलंगाना क्षेत्र में शासन किया।
    - वे वारंगल किले सहित अपने किलों और तेलुगु साहित्य और संस्कृति के समर्थन के लिए जाने जाते थे।
7. बहमनी सल्तनत (लगभग 14वीं - 16वीं शताब्दी ई.):
    - बहमनी सल्तनत एक मुस्लिम साम्राज्य था जिसने दक्कन के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।
    - यह अपनी अनूठी वास्तुकला शैली, इस्लामी और स्वदेशी वास्तुशिल्प तत्वों के मिश्रण के लिए जाना जाता था।
8. विजयनगर साम्राज्य (लगभग 14वीं - 17वीं शताब्दी ई.):
    - विजयनगर साम्राज्य एक शक्तिशाली हिंदू साम्राज्य था जो दक्कन में उभरा।
    - यह कला, संस्कृति और व्यापार का एक प्रमुख केंद्र था, और इसने हम्पी शहर सहित कई वास्तुशिल्प चमत्कारों को पीछे छोड़ दिया।
9. कुतुब शाही राजवंश (लगभग 16वीं - 17वीं शताब्दी ई.पू.):
    - कुतुब शाहियों ने दक्कन के गोलकुंडा क्षेत्र पर शासन किया।
    - वे हैदराबाद में चारमीनार सहित वास्तुकला के संरक्षण के लिए जाने जाते थे।